Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)
Bachelor of Performing Art (B.P.A.-I Year)
2021-22
Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) Regular

paper S. N.	Subject/Paper	Subject Code	Mid Term/ C.C.E. & Attendance Marking		End Term Marking		Total Marks %	Minimum Passing Marks%
	Section-"A" Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)			Min		Min		
1. 2.	I- History & development of Indian Music II- Applied Principels of Music	C1-BMVI-101 C1-BMVI-102	25 25	08 08	75 75	25 25	100 100	33% 33%
3. 4.	Core-2 Technical Terms Practical Vocal/Instrumental Technique I- Demonstration &Viva II- Stage Performance	C1-BMVI-101 C1-BMVI-102	25 25	08 08	75 75	25 25	100 100	33% 33%
5.	Section-"B" (Only Practical) Elective Open Subject Skill Development-N.S.S./N.C.C./Physical Education /Yog/Meditation/Field work & social work with opposite subject to main subject Indian Classical Vocal/Instrumental(Non Percussion) /Karnatak music/Classical Dance/Tabla/Pakhawaj.	EO-BMVI-101	25	08	75	25	100	33%
	Total						500	

सत्र — 2021–2022

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए. प्रथम वर्ष नियमित पाठ्यक्रम

(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)

(संगीत का विज्ञान/ Science of Music)

समय :– 3 घण्टे

आंतरिक	–25
न्यूनतम	–08
वि.वि. पूर्णांक	--75
न्यूनतम	–25

इकाई–1

1. संगीत, नाद, श्रुति, स्वर (शुद्ध, विकृत, चल, अचल),वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी बाइस श्रुतियों में वर्तमान सप्तक की स्वर स्थापना, सप्तक (मंद्र, मध्य, तार), वर्ण, अलंकार, (पल्टा), स्थायी, अन्तरा, संचारी आभोग की परिभाषा।
2. संगीतोपयोगी ध्वनि की विशेषताएँ–
   तीवव्रा, तारता, गुण, कालमान, उक्त सन्दर्भ में कंपन, कम्प विस्तार, आवृत्ति, उपस्वर, का परिचय।

इकाई–2

1. राग एवं थाट की परिभाषा व तुलना, दस थाटों का परिचय,
2. आश्रयराग, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर, आरोह–अवरोह, राग स्वरूप (पकड), राग की जाति (औडव, षाडव व सम्पूर्ण) का अध्ययन।

इकाई–3

1. ध्रुपद, धमार, ख्याल, तराना, चतुरंग, लक्षणगीत, स्वरमालिका (सरगम) मसीतखानी व रजाखानी गत का परिचय।
2. शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत एवं लोक संगीत का ज्ञान तथा गीत, गजल, होरी का परिचय एवं महत्व।

इकाई–4

1. गायन के परिक्षार्थियों के लिए तानपुरा तथा वाद्य के परिक्षार्थियों के लिए अपने–अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र वर्णन। साथ ही उनके तारों को विभिन्न स्वरों में मिलाने की जानकारी।
2. संगीत में शिक्षण की विधि गुरू शिष्य परंपरा एवं महाविद्यालय संगीत शिक्षा का तुलनात्मक विवेचन।

इकाई–5

1. गायक और वादक के गुण–दोष, काकू आदि शब्द भेद का (संगीत रत्नाकर के आधार पर) अध्ययन।
2. पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे, अमीर खुसरो, राजा मानसिंह तोमर, स्वामी हरिदास एवं तानसेन का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. प्रथम वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत/Applied Principles of Indian Music)

समय :– 3 घण्टे

आंतरिक	–25
न्यूनतम	–08
वि.वि. पूर्णांक	–75
न्यूनतम	–25

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के राग, यमन, भैरव, भूपाली, खमाज, काफी, वृन्दावनीसारंग, दुर्गा, बिलावल या अल्हैया बिलावल का शास्त्रीय परिचय एवं तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. निम्न (अ) एवं (ब) को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास–

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

पाठ्यक्रम के रागों यमन, भैरव, भूपाली, खमाज, काफी, वृन्दावनीसारंग, दुर्गा, बिलावल या अल्हैया बिलावल में स्वरमालिका और लक्षणगीत।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना (आलाप, तान, तोड़ो सहित)

इकाई–3

1. लय (विलम्बित, मध्य, द्रुत), ठाह, दुगुन, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका, आवर्तन की जानकारी।
2. तबले का संक्षिप्त परिचय। तबले की बनावट व उसके विभिन्न अंगो का सचित्र वर्णन।

इकाई–4

1. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल और धमार तालों का परिचय ठाह सहित ताल–लिपि में लेखन।
2. मींड, कण, खटका मुर्की, आलाप, तान, बोल (मिजराब/जवा के बोल) प्रहार (आकर्ष/अपकर्ष), सूत, जमजमा, और तोड़ों का पारिभाषिक परिचय।

इकाई–5

1. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि तथा काललिपि का परिचय।
2. लगभग 400 शब्दों में संगीत संबधी किसी विषय पर निबंध।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. प्रथम वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन / स्वरवाद्य प्रायोगिकः– प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration & viva Voice)

समय :– 30 मिनिट

आंतरिक	–25
न्यूनतम	–08
वि.वि. पूर्णांक	–75
न्यूनतम	–25

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं किन्हीं दो थाटों में दस–दस अलंकारों का अभ्यास। गायन के विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका और लक्षणगीत का गायन।
2. पाठ्यक्रम के राग– यमन, भैरव, भूपाली, खमाज, काफी, वृन्दावनीसारंग, दुर्गा, बिलावल या अल्हैया बिलावल।

   अ. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल / रज़ाखानी गत / मध्यलय रचना का पांच तानों सहित प्रदर्शन।

   ब. पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद तथा एक तराने का गायन अथवा किसी एक राग में तीनताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का अपने वाद्य पर प्रदर्शन।
3. आकाशवाणी द्वारा मान्य वन्दे मातरम् / भजन / देशभक्ति गीत का स्वरलय में गायन अथवा वादन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।
4. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन– एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार तथा त्रिताल की ठाह एवं दुगुन का अभ्यास।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. प्रथम वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक:– Stage Performance
(प्रायोगिक :–2 मंच प्रदर्शन)

समय :– 20 मिनिट

आंतरिक	–25
न्यूनतम	–08
वि.वि. पूर्णांक	–75
न्यूनतम	–25

कल्चरल एक्टिविटीज जैसे– सरस्वती वंदना, गणेश वंदना, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, देश भक्ति गीत, छोटा ख्याल, लक्षण गीत, सरगम गीत का मंच प्रदर्शन।

सदर्भ ग्रंथ:

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. सगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका – श्री भगवतशरण शर्मा
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – पं. श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र पराजंपे
8. सगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10. चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवागंन
12. राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13. संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14. प्रणव भारती भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15. संगीतांजली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)
Bechelor of Performing Art (B.P.A.-II Year) P-B.P.A.
2021-22
Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) Regular

paper S. N.	Subject/Paper	Subject Code	Mid Term/ C.C.E. & Attendance Marking	End Term Marking	Total Marks & Private%	Minimum Passing Marks%
1. 2.	Section-"A" Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion) I- History & development of Indian Music II- Applied Principels of Music	C1-BMVI-203 C1-BMVI-204	20 20	80 80	100 100	33 33
3. 4.	Core-2 Technical Terms Practical Vocal/Instrumental Technique I- Demonstration &Viva II- Stage Performance	C1-BMVI-203 C1-BMVI-204	20 20	80 80	100 100	33 33
5.	Section-"B" (Only Practical) Skill Development-N.S.S./N.C.C./Physical Education /Yog/Meditation/Field work & social work with opposite subject to main subject. Folk Music Vocal & Dance/Western Music guitar & Key board/fine arts/theatre/studio recording teachnique/sound operating/instrument repairing & making	EO-BMVI-202	20	80	100	33
6. 7. 8.	Section-"C" Foundation Course I- Moral Values & HindiLanguage- II- English Language III- Environmental study	F-HM- 204 F-EL- 205 F-EPD-206	05 05 05	30 30 25	35 35 } 100 30	33 33 33
Total					600	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)
(संगीत का विज्ञान/ Science of Music)

समय :– 3 घण्टे

पूर्णांक :– 80

इकाई–1

1. टोन, मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, अनुनाद, डोल, उपस्वर (स्वयंभू स्वर), प्रतिध्वनि, तरंगमान तथा तरंग वेग,ग्रंथि–प्रतिग्रंथि, स्वर अंतराल, स्वर संवाद का अध्ययन।
2. स्केल–नेचुरल स्केल, डायटोनिक स्केल तथा टेम्पर्ड स्केल।

इकाई–2

1. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक श्रुति–स्वर का तुलनात्मक अध्ययन।
2. पूर्व राग, उत्त राग, वादी, संवादी स्वर से राग गायन के समय का संबंध, संधिप्रकाश राग, परमेल प्रवेशक राग की जानकारी।

इकाई–3

1. राग के दस लक्षण, आविर्भाव–तिरोभाव, नायकी, गायकी, वाग्गेयकार की परिभाषा एवं गुण।
2. गमक की परिभाषा और उसके प्रकार।

इकाई–4

1. मुगल काल से अब तक का संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
2. सदारंग–अदारंग, गोपाल नायक, बैजू , बख्शू , हस्सू हद्दू खाँ, पं.भास्कर बुआ बखले, बाबा अलाउद्दीन खाँ, उ. हाफिज अली खाँ एवं उ. इनायत खाँ तथा पं. पन्नालाल घोष का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

इकाई–5

1. तत् (तंत्री), अवनद्ध, घन एवं सुषिर वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन।
2. वितत् वाद्य का स्पष्टीकरण। तानपूरा/सितार/सरोद/वायेलिन का संक्षिप्त ऐतिहासिक अध्ययन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(गायन / स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत / Applied Principles of Indian Music)

समय :– 3 घण्टे | पूर्णांक :– 80

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के राग – बागेश्री, बिहाग, भीमपलासी, आसावरी, कामोद, केदार, देश, भैरवी, हमीर और पटदीप। विगत वर्ष के रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2

2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –

- पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित ख्याल (आलाप तथा तानों सहित)
- पाठ्यक्रम के रागों में एक मध्यलय ख्याल (आलाप तथा तानों सहित)

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए –

- पाठ्यक्रम के किन्ही पॉच रागों में आलाप, तानों / तोडो सहित एक–एक मसीतखानी गत
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक रागों में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना। (आलाप तथा तानो / तोडों सहित)

इकाई–3

1. तान की परिभाषा एवं तान के प्रकार।
2. बोल–आलाप, बोलतान, कृन्तन, जोड़, झाला, तारपरन तथा लागडाट की परिभाषा ।

इकाई–4

1. विगत वर्ष के पाठ्यक्रम की तालों के साथ तिलवाड़ा रूपक, तीव्रा तथा सूलताल के ठेकों का ज्ञान एवं दुगनु, चौगुन में लिखने का अभ्यास।
2. ठुमरी, कजरी, चैती और कव्वाली का परिचय।

इकाई–5

1. पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर स्वरलिपि वताललिपि पद्धति का परिचय।
2. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः– 1 प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration & viva Voice)

समय :– 30 मिनिट | पूर्णांक :– 80

1. पाठ्यक्रम के राग–बागेश्री, बिहाग, भीमपलासी, आसावरी, कामोद केदार, देस, भैरवी, हमीर और पटदीप। विगत वर्ष के पाठ्यक्रम के रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन ।

अ. पाठ्यक्रम के किन्ही पाँच रागों में आलाप –तान सहित एक–एक विलम्बित ख्याल का गायन अथवा तंत्रकारी सहित मसीतखानी गत का वादन।

ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत/तान–तोडों सहित प्रदर्शन।

स. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों मे एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन अथवा पाठ्यकम के रागों में तीनताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का तानों सहित वादन।

द. गायन के विद्यार्थी हेतु पाठ्यकम के रागों में स्वरमालिका, लक्षण गीत का गायन।

2. भजन/देशभक्ति गीत या सुगम संगीत की रचना का स्वरलय में गायन अथवा वाद्य पर प्रदर्शन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।

3. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह एवं दुगुन में बोलकर प्रदर्शन– त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा, रूपक, तीव्रा तथा सूलताल।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन / स्वरवाद्य प्रायोगिक:–2 मंच प्रदर्शन
(Vocal / Instument Practical -2 Stage Performance)

समय :– 20 मिनिट पूर्णांक :– 80

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी / तन्त्रकारी सहित) प्रदर्शन।
2. सुगम संगीत पर आधारित रचना अथवा धुन की प्रस्तुति।

सदंर्भ ग्रंथ:

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका – श्री भगवत शरण शर्मा
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – पं. श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10. चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12. राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13. संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14. प्रणव भारती भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15. संगीतांजली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
16. सुबोध संगीत शास्त्र – डॉ.तेजसिंह टाक
17. संगीत विज्ञान एवं गणित – डॉ. तेजसिंह टाक
18. संगीत जिज्ञासा एवं समाधान – डॉ. तेजसिंह टाक

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)
Bachelor of Performing Art (B.P.A.-III Year) P-B.P.A.
2021-22
Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) Regular

paper S. N.	Subject/Paper	Subject Code	Mid Term/ C.C.E. & Attendance Marking	End Term Marking	Total Marks & Private%	Minimum Passing Marks%
1. 2.	Section-"A" Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion) I- History & development of Indian Music II- Applied Principels of Music	C1-BMVI-305 C1-BMVI-306	20 20	80 80	100 100	33 33
3. 4.	Core-2 Technical Terms Practical Vocal/Instrumental Technique I- Demonstration &Viva II- Stage Performance	C1-BMVI-305 C1-BMVI-306	20 20	80 80	100 100	33 33
5.	Section-"B" (Only Practical) Skill Development-N.S.S./N.C.C./Physical Education /Yog/Meditation/Field work & social work with opposite subject to main subject. Semi Classical Vocal (Thumari/Dadra/Chaiti/Kajari/Tappa/Light Music/FilmMusic/Music Therapy).	EO-BMVI-303	20	80	100	33
6. 7. 8.	Section-"C" Foundation Course I- Moral Values & HindiLanguage- II- English Language III-Basic of computer	F-HM- 307 F-EL- 308 F-EPD-309	05 05 05	30 30 25	35 35 } 100 30	33 33 33
Total					600	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. तृतीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)
(संगीत का विज्ञान / Science of Music)

समय :– 3 घण्टे पूर्णांक :– 80

इकाई–1

1. गांधर्व गान, निबद्ध और अनिबद्ध गान, रागालाप, रुपकालाप, रागालप्ति, रूपकालप्ति, स्वस्थान नियम का आलाप ।
2. मार्ग–देशी का गान।

इकाई–2

1. ग्राम–मूर्च्छना ।
2. भरत एवं शारंगदेव की श्रुति स्वर व्यवस्था तथा भरत की सारणा–चतुष्टायी।

इकाई–3

1. वीणा के तार पर पं. अहाबेल द्वारा शुद्ध–विकृत स्वरों की स्थापना विधि एवं पं. श्री निवास द्वारा उसका स्पष्टीकरण।
2. ग्राम राग, देशीराग का वर्गीकरण, राग–रागिनी वर्गीकरण का परिचय।

इकाई–4

1. थाट–राग वर्गीकरण तथा शुद्ध, छायालग, और संकीर्ण राग वर्गीकरण का अध्ययन।
2. पं. व्यंकटमखी के 72 मेल, उत्तर भारतीय सगीत में एक सप्तक से 32 थाटों की निर्माण विधि एवं एक थाट से 484 रागों की उत्पत्ति।

इकाई–5

1. घराने की परिभाषा तथा ख्याल के ग्वालियर, आगरा, रामपुर सहसवान, जयपुर और किराना घरानों का सामान्य परिचय तथा सेनिया तथा मैहर घराने का परिचय।
2. उ.फैयाज खॉ, अब्दुल करीम खॉ, पं.डी.वी.पलुस्कर, उ.अल्लादिया खॉ, पं. गजाननराव जोशी, पं. रविशंकर, उ. विलायत खाँ, पं. वी.जी. जोग, उ. बिस्मिलाह खाँ और पं. हरिप्रसाद चौरसिया का जीवन परिचय एवं सगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. तृतीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(गायन / स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत / Applied Principles of Indian Music 2)

समय :– 3 घण्टे

पूर्णांक :– 80

इकाई–1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचय एवं पिछले पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन– जैजैवन्ती, मालकौस, जौनपुरी, छायानट, बहार, तोड़ी, रामकली, तिलककामोद और पूरियाधनाश्री।

इकाई–2

2. निम्नलिखित को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के रागों में (आलाप तथा तानों सहित) विलम्बित ख्याल।
- पाठ्यक्रम के रागों में आलाप –तान सहित एक मध्यलय ख्याल।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के रागों में आलाप तथा तोडे सहित मसीतखानी गत।
- पाठ्यक्रम के रागों में आलाप तथा तोडे एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत।

इकाई–3

1. आड, कुआड, लय (पूर्व पाठ्यकम की तालों सहित) की जानकारी।
2. आड़ाचौताल, दीपचंदी तथा झूमरा तालों का परिचय एवं उन्हें तिगुन, चौगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई–4

1. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि के अतिरिक्त भारत में प्रचलित अन्य स्वरलिपियों का सामान्य ज्ञान।
2. स्टाफ नोटेशन (स्वरलिपि) पद्धति का सामान्य परिचय। स्वरलिपि में पाठ्यक्रम के रागों के आरोह–अवरोह व पकड़ का लेखन।

इकाई–5

1. हार्मनी और मेलोडी का सामान्य अध्ययन।
2. लगभग 500 शब्दो में संगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. तृतीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः– 1 प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration & viva Voice)

समय :– 30 मिनिट पूर्णांक :– 80

1. पाठ्यक्रम के राग–जैजैवन्ती, मालकौस, जौनपुरी, पूरिया, छायानट, बहार, तोडी, बसन्त, रामकली, तिलककामोद और पूरियाधनाश्री के साथ विगत वर्षो के रागों की तुलना।

   अ. पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल (आलाप–तान सहित) का गायन अथवा विलम्बित रचना/मसीतखानी गत (गायकी अथवा तंत्रकारी सहित) की प्रस्तुति।

   ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत/मध्यलय रचना की पाँच तानों सहित प्रस्तुति।

   स. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों में एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन, तिगुन व चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन अथवा किसी एक राग में तीनताल से पृथक ताल में रचना का गायकी अथवा तंत्रकारी सहित प्रस्तुतिकरण।
2. भजन/देशभक्ति गीत या सुगम संगीत की रचना का गायन अथवा वाद्य पर प्रदर्शन या किसी धुन का अपने वाद्य पर प्रस्तुतीकरण।
3. विगत वर्षो के पाठ्यक्रम की तालों सहित निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर बोलकर प्रदर्शन–

   अ. आडाचौताल, दीपचदी एवं झूमरा तालों की ठाह दुगुन एवं चौगुन।

   ब. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा का तिगुन में प्रदर्शन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. तृतीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन / स्वरवाद्य प्रायोगिक:–2 मंच प्रदर्शन
गायन / वादन (स्वर वाद्य) टेक्निक 2 (Stage Performance)

समय :– 20 मिनिट | पूर्णांक :– 80

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी / तन्त्रकारी सहित) प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये ध्रुपद / धमार में से किसी एक की गायकी अथवा रचना की तंत्रकारी के साथ प्रस्तुति।
3. अपने वाद्य को मिलाने का अभ्यास।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका – श्री भगवतशरण शर्मा
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – पं. श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10. चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12. राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13. संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14. प्रणव भारती भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15. संगीतांजली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)
Bachelor of Performing Art (B.P.A.-4th Year) P-B.P.A.
2021-22
Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) Regular

paper S. N.	Subject/Paper	Subject Code	Mid Term/ C.C.E. & Attendance Marking	End Term Marking	Total Marks & Private%	Minimum Passing Marks%
1. 2.	Section-"A" Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion) I- History & development of Indian Music II- Applied Principels of Music	C1-BMVI-407 C1-BMVI-408	20 20	80 80	100 100	33 33
3. 4. 5..	Core-2 Technical Terms Practical Vocal/Instrumental Technique I- Demonstration &Viva II- Stage Performance III- Lecture Demonstrarion	C1-BMVI-407 C1-BMVI-408 C1-BMVI-409	20 20 20	80 80 80	100 100 100	33 33 33
Total					500	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)
(संगीत वैज्ञानिक का विज्ञान/ Science of Music)

समय :– 3 घण्टे   पूर्णांक :– 80

इकाई–1

1. कर्नाटक ताल पद्धति का विवेचन तथा हिन्दुस्तानी तथा कर्नाटक तालों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. कर्नाटक संगीत की विभिन्न विधाएँ ।
3. कर्नाटक संगीत के लोकवाद्यों का विवेचन।

इकाई–2

1. संगीत में स्वर एवं रस का संबंध एवं रस सिद्धांत।
2. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास (प्राचीन काल से आधुनिक काल तक)

इकाई–3

1. जाति तथा जाति के दस लक्षण।
2. मूर्च्छना एवं आधुनिक थाटों की तुलना।

इकाई–4

1. काकु , कुतप तथा संगीत में इनकी उपयोगिता।
2. वाद्यों की बनावट एवं निर्माण विधि।
3. इलेक्ट्रॉनिक वाद्य एवं उनकी उपयोगिता।

इकाई–5

1. श्रुतियों का मान सेवर्ट पद्धति एवं सेंट पद्धति के द्वारा।
2. पं. कृष्णराव शंकर पंडित, पं. राजा भैया पूछवाले, उस्ताद जाकिर हुसैन, विदुषी गिरजा देवी, डॉ. प्रेमलता शर्मा का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(गायन / स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत / Applied Principle of Music)

समय :– 3 घण्टे | पूर्णांक :– 80

इकाई–1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचय।
   शुद्धकल्याण, दरबारी कान्हडा, मियाँ मल्हार, अडाणा, विभास, कलावती, हंसध्वनि, शंकरा, सिंधूरा तथा मुलतानी, गौड सारंग।
2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।
   (अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–
   1. पाठ्यक्रम के रागों में (आलाप तथा तानों सहित) विलम्बित रचना का लेखन।
   2. पाठ्यक्रम के रागों में एक मध्यलय ख्याल का (आलाप तथा तानों सहित) लेखन।
   3. पाठ्यक्रम के रागों में एक–एक विलम्बित गत अथवा मसीतखानी गत अथवा विलम्बित ख्याल का (आलाप तानों / तोडों सहित) लेखन।
   4. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना का (आलाप तथा तानों / ताडों सहित) लेखन।

इकाई–2

1. लयकारियों को समझाते हुए बियाड़ लय के लेखन का अभ्यास
2. आड़ाचौताल, दीपचंदी झूमरा तथा पूर्व पठित तालों की दुगुन, तिगुन, चौगुन तथा आड़ में लिखने का अभ्यास।

इकाई–3

1. रूद्र, पंचमसवारी, गजझम्पा, तथा लक्ष्मी तालों का परिचय तथा दुगुन, तिगुन, तथा चौगुन में लिखने का अभ्यास।
2. कर्नाटकी संगीत के सप्त तालों का सामान्य ज्ञान।

इकाई–4

1. रविन्द्र संगीत तथा नजरूल गीति की सामान्य जानकारी स्वर लिपि पद्धति के साथ।
2. लगभग 500 शब्दो में संगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन / स्वरवाद्य प्रायोगिकः– 1 प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration & Viva Voice)

समय :– 30 मिनिट पूर्णांक :– 80

1. पाठ्यक्रम के राग–शुद्धकल्याण, दरबारी कान्हडा, मियॉं मल्हार, अडाणा, विभास, कलावती, हंसध्वनि, शंकरा, सिंधूरा तथा मुलतानी, गौड सारंग। पूर्व पाठ्यक्रम के रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन।

अ. पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल (आलाप–तान सहित) का गायन अथवा विलम्बित रचना / मसीतखानी गत (गायकी अथवा तंत्रकारी सहित) का प्रदर्शन।
ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल / रजाखानी गत / मध्यलय रचना का तानों सहित प्रदर्शन।

स. पाठ्यक्रम के रागों में एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन, तिगुन व चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन। अथवा किसी एक राग में तीनताल से पृथक ताल मे रचना का गायकी अथवा तंत्रकारी सहित अभ्यास।

2. भजन / देशभक्ति गीत सुगम संगीत की रचना का गायन अथवा किसी धुन का अपने वाद्य पर प्रस्तुतीकरण।
3. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर बोलकर प्रदर्शन–
   अ. आड़ाचौताल, दीपचंदी झूमराए तालों की ठाह दुगुन एवं चौगुन।
   ब. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा का तिगुन एवं आड़ में प्रदर्शन।
4. अपने वाद्य को मिलाने का अभ्यास।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः–2 मंच प्रदर्शन
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक 2 (Stage Performance)

समय :– 20 मिनिट | पूर्णांक :– 80

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी/तन्त्रकारी सहित) प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये पांच रागों में से किसी एक राग की गायकी/तन्त्रकारी के साथ प्रस्तुति।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसी एक राग में ठुमरी, टप्पा अथवा ठुमरी शैली पर आधारित रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका – श्री भगवत शरण शर्मा
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – पं. श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10. चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12. राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13. संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14. प्रणव भारती भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15. संगीतांजली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक :-3
प्रदर्शनात्मक व्याख्यान/परियोजना कार्य

समय :- 20 मिनिट पूर्णांक :- 80

यह प्रायोगिक लेक्चर डेमोन्सट्रेशन (लेक्डेम) के रूप में होगा जिसमें विद्यार्थी अपनी कला से संबंधित किसी भी शीर्षक (जैसे – शास्त्रीय संगीत, उप शास्त्रीय संगीत, टप्पा, रविन्द्र संगीत, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक वाद्य, चित्रपट संगीत, लेसन प्लान आदि) पर लेक्चर के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करेगा (पी.पी.टी. के साथ भी प्रदर्शन कर सकता है) जिससे विद्यार्थी का कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) और भविष्य में शोध आदि कार्य करने में यह प्रश्न पत्र वैज्ञानिक एवं सहायक सिद्ध होगा। लेक्चर डेमोन्सट्रेशन तैयार करने के लिए भिन्न–भिन्न किताबों का अध्ययन करके बुक रिफरेन्स के साथ नोट्स बनाना होगा जिसकी एक प्रति अपने कक्ष अध्यापक के पास जमा करना अनिवार्य है।